BJS भारतीय जैन संघठन

Bharatiya Jain Sanghatan

वर्तमान का सक्षमीकरण – भविष्य का संवर्धन

दि. ५-६ मई २०१२ को भारतीय जैन संघठन के रजत जयंती समारोह मे उमडा जन सैलाब

भारतीय जैन संघठन (BJS) समस्त जैन समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली एक सामाजिक संस्था है। इसकी स्थापना पूना निवासी श्री. शांतिलालजी मुथ्था ने १९८५ में की थी। यह संस्था सामाजिक उत्थान, शैक्षणिक विकास तथा आपदा प्रबंधन क्षेत्र में कार्य कर रही है।

BJS मुख्य रूप से राष्ट्रीय समस्याओं पर लक्ष केन्द्रित कर उनके निवारण हेतु गहराई से अध्ययन कर समाधान प्रस्तुत करने का कार्य तीन दशक से कर रहा है।

BJS में राष्ट्रीय कार्यकारिणी से लेकर शहर/ गांव कार्यकारिणी तक कार्यकर्ताओं की विस्तृत शृंखला स्थापित है। संस्था में पदाधिकारीयों का चयन चुनाव पध्दति से ना होकर मनोनयन पध्दति से होता है। पदाधिकारियों को मनोनित करने का संम्पूर्ण अधिकार संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष को है। यह कार्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की सलाह से किया जाता है।

वर्तमान में BJS का कार्यक्षेत्र देश के लगभग २० राज्यों में है। संस्था में हजारो पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता समर्पण भाव से समाज उत्थान के कार्य में लगे हुये है। पूना मुख्य कार्यालय में लगभग ५०० प्रोफेश्नल लोग रिसर्च के माध्यम से समाज उपयोगी समाधान के मॉडल्स एवं कार्यक्रम तैयार करने का कार्य बड़ी कुशलतापूर्वक कर रहे है।

सामाजिक उत्थान, शैक्षणिक विकास व आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में पिछले तीन दशक में किये गये विशेष कार्य की जानकारी निम्नलिखित है । आपसे विनम्र निवेदन है कि, BJS के कार्यों से जुडकर देश निर्माण में अपना योगदान दे।

-ध्येय-

सामूहिक योगदान एवं प्रयासो के द्वारा समाज के सर्वांगीण विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण करना

-कार्यक्षेत्र-

सामाजिक उत्थान

शैक्षणिक विकास

आपदा प्रबंधन

सामाजिक उत्थान

समय काफी तेजीसे बदल रहा है। २५-३० वर्षों में बदलाव की जो रफतार रही है, वह पिछले १००-२०० वर्षों में भी अनुभव करने को नहीं मिली। तेजीसे बदलते हुए इस युग में 'परिवार' यह अवधारणा बिखर रही है, तथा इसे बांधे रखने का कार्य अत्याधिक कठीन होता जा रहा है। परिवार ही नहीं बचेंगे, तो समाज का अस्तित्व कैसे रहेगा? इस गंभीर समस्यापर BJS ने, परिवार में रहनेवाले प्रत्येक सदस्य की जरूरतों को समझकर, गहराईसे अध्ययन कर निम्नलिखित समाधान प्रस्तूत किये है।

'छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम' कक्षा ४थी एवं ८वी के विद्यार्थीयों के लिए (Student Assessment Program - SAP 4th & 8th)

तीन घंटे की इस जांच परिक्षा के लिए किसी भी प्रकार की पूर्व तैयारी की आवश्यकता नहीं है। विद्यार्थी बडे मजे से, खेल खेल में इस जांच परिक्षा में सहभाग लेते है, तथा बडी सहजता से पालकों को अपने बच्चों की भावनात्मक, मानसिक, सामाजिक योग्यता व सामान्यज्ञान, स्वास्थ्य, संबधित विषयों पर जानकारी प्राप्त होती है। बीजेएस द्वारा, इस कार्यक्रम के माध्यम से, विद्यार्थीयों की क्षमता एवं योग्यता का आकलन कर, उन्हें अपनी रूचि अनुसार, शिक्षा के क्षेत्र में, प्राविण्यता प्राप्त करने के उद्देश्य से, पालकों का विशेष मार्गदर्शन किया जाता है।

SAP 4 अब Online www.bjssap.org पर भी उपलब्ध है।

कैरियर मार्गदर्शन कार्यक्रम (Carrier Guidance Program)

स्पर्धा के इस युग में, दसवी तथा बारहवी के पश्चात विद्यार्थीयों ने कौन से शैक्षणिक क्षेत्र का चयन करना चाहिए, कौन कौन से क्षेत्र भविष्य की शिक्षा के लिए उपलब्ध है, कौन से कॉलेजों का चयन करना चाहिए, उनमें प्रवेश प्राप्त करने की क्या प्रणाली है, पिछले वर्ष का कट ऑफ प्रतिशत क्या था, इत्यादि अनेक प्रश्नों का सामना करना पडता है। इस विषय में, जानकारी के अभाव की वजह से, ना ही माता-पिता मदद कर पाते है और ना ही स्कूल मदद कर पाता है। आज के दौर में विद्यार्थीयों को योग्य कैरियर मार्गदर्शन की अत्याधिक आवश्यकता है। BJS अपने एक्सपर्ट कैरियर मार्गदर्शकों के माध्यम से परिवार की इस जरूरत की पूर्ती हेतू विद्यार्थी एवं पालकों के लिए कैरियर मार्गदर्शन के वर्कशॉप आयोजित करता है।

युवतियों का सक्षमीकरण'- २१ वी सदी की सामाजिक चुनौतियो का सामना करने हेतु
Empowerment of Girls to face the social challenges of 21st century (EoG)

आज के इस दौर में, स्कूली शिक्षा पूर्ण कर, उच्च शिक्षा हेतु कॉलेज में प्रवेश करनेवाली, सोलह से पच्चीस वर्ष की युवतियों के समक्ष अनेक कठिनाईयाँ, आग के समान विक्राल रूप धारण किये खडी है। जैसे की अपनेही परिवार में कैसे जीना, माता-पिता से संवाद कैसे करना, नए एवं अच्छे मित्रों का चयन कैसे करना, अपने आत्मविश्वास को टिकाये कैसे रखना, मिडीया-मोबाईल-इंटरनेट के दुष्परिणाम से कैसे बचना, व्यक्तिगत सुरक्षा का ध्यान कैसे रखना, पारंपरिक विवाह व प्रेम विवाह के गुण एवं दोष का पूर्व आकलन कैसे करना, इत्यादि अनेक प्रकार की आग आज जमाने में लगी है। इस आग को हम बुझा सकते नहीं। लेकिन इसका सामना करने के लिए युवतियों को प्रशिक्षण के माध्यम से फायर फायटर जरूर बना सकते है। यह अत्याधिक महत्त्वपूर्ण कार्य है।

BJS ने अपने तीन दशक के सामाजिक अनुभव के आधार पर, युवतियों को सक्षम करने हेतु, एक्सपर्ट के माध्यम से तीन दिवसीय कार्यशाला तैयार की है। यह कार्यशाला युवतियों को सुरक्षा कवच प्रदान कर, इस सदी की सामाजिक चुनौतियों का सामना करने हेतु सक्षम बनाती है। इस कार्यक्रम के द्वारा ११ राज्यो में १०,००० से अधिक युवतियों का सक्षमीकरण किया गया है।

EoG अब Online (www.eogonline.org) पर भी उपलब्ध है।

युवक-युवती परिचय संमेलन' (Matrimonial Meet)

योग्य जीवन साथी की तलाश सभी परिवारों को है। परिवार कितनाही समृध्द क्यों न हो, शिक्षित क्यों न हो, नामी क्यों न हो, योग्य रिश्तों की कमी सभी को है। ढूँढने पर भी योग्य रिश्ते मिल नहीं पाते। नजदीक के रिश्तेदार भी, ना ही रिश्तों की जानकारी देते है और ना ही रिश्तों के बीच में पडते है। रिश्ते ठीक से मिलेंगे नहीं तो जुडेंगे कैसे? रिश्ते ठीक से जुडेंगे नहीं तो टिकेंगे कैसे? रिश्ते ठीक से टिकेंगे नहीं तो परिवार आगे बढेंगे कैसे? BJS ने सन १९८५ में इस समस्या को समझा, गहराईसे अध्ययन किया तथा 'परिचय संमेलन' विकल्प के रूप में समाज के समक्ष प्रस्तूत किया। एक ही दिन में, एक ही स्थान पर, अपने बेटे या बेटी के लिए, पचास-सौं रिश्तें उपलब्ध करवाने का मंच है, 'परिचय संमेलन'। समाज की जरूरतों को समझते हुए विभिन्न प्रकार के परिचय संमेलन आयोजित किये जाते है। जैसे की, प्रोफेशलन परिचय संमेलन, उच्च शिक्षित परिचय संमेलन, सामान्य शिक्षित परिचय संमेलन, शहरी परिचय संमेलन, ग्रामीण परिचय संमेलन, पुर्नविवाह हेतु परिचय संमेलन। पिछले तीन दशक में इन परिचय संमेलनों को अत्याधिक प्रतिसाद मिला है। तथा रिश्ते तय करने में परिचय संमेलन वरदान साबित हुए है।

आगामी परिचय संमेलन किन शहरों में आयोजित किये जा रहे है, इसकी जानकारी www.bjsindia.org वेबासाईट पर उपलब्ध रहती है।

'नव विवाहितों का सक्षमीकरण' - सुखी घर परिवार के लिए
Empowerment of Couples for Happy Family & Happy Home (EoC)

आज के जमाने में रिश्तें तय होने जितने कठिन है, उससे ज्यादा कठिन है, रिश्ते निभाना। छोटी छोटी बातों पर बडी बडी खटपट होने लगी है। खान-पान, रहन-सहन, बोल-चाल, पहनावा आदि में अत्याधिक बदलाव आये है। जीने के तौर तरिके बदल गए है। पति - पत्नी दोनों ही शिक्षित, उच्चशिक्षित है। करियर ने घरेलू कामकाज के ऊपर प्राथमिकता ले ली है। धैर्य, समर्पण, विश्वास, सामंजस्य, सुसंवाद आदि में काफी कमी आयी है, वहीं अहंकार अत्याधिक बढ गया है। यही सब वजह है, रिश्तों मे दरार की व परिवारो मे बिखराव की।

भारतीय जैन संघठन के संस्थापक, दूरदृष्टा श्री. शांतीलालजी मुथ्था ने सन २०१० मे जैन समाज के राष्ट्रीय अधिवेशन में घोषणा की, कि आनेवाले दस-पंद्रह वर्षों में हर दो विवाह में से एक विवाह टुटेंगा। अगर सही में ऐसा होता है, तो यह समाज के अस्तित्व के लिए अत्याधिक हानिकारक होगा। इस बात को ध्यान में रखकर BJS ने नवविवाहीतों (विवाह के दस वर्ष तक) में आपसी सौहार्द एवं सामंजस्य स्थापित रहने के दृष्टिकोन से दो दिवसीय कार्यशाला तैयार की है। इस दो दिवसीय कार्यशाला के माध्यम से नव विवाहित जोडो तथा उनके पालको के आपसी सम्बधो मे सामंजस्य, बेहतर संवाद, संगठित एंव संयुक्त रहने की भावना, एक दूसरे का विशेष ध्यान, देखभाल, त्याग एंव समर्पण भाव के साथ वैवाहिक और परिवारिक दायित्व एंव सम्बधो को विकसित करने हेतु प्रशिक्षण दिया जाता है।

व्यवसाय वृध्दि कार्यक्रम (Business Development Program)

परिवर्तन के इस युग में पारंपारिक व्यवसायों मे नई पिढी की घटती रूची, पुराने व्यवसायों के अस्तित्व का प्रश्न, मॉल संस्कृती का प्रभाव, व्यवसाय की नई संभावना के प्रति दुर्लक्ष, नई पिढी के कार्यक्षमता का पूरा उपयोग ना होना आदि बातों की वजह से व्यवसाय मे अपेक्षित प्रगति नहीं हो पा रही है।

BJS अपने एक्सपर्ट प्रोफेशनल मार्गदर्शकों के माध्यम से नये एवं पुराने व्यवसायियों के लिए Business & Entrepreneurship Development Program द्वारा मार्गदर्शन करता है।

प्लॅस्टिक सर्जरी (Plastic Surgery)

BJS सन १९९० से लगातार, छोटे बच्चों के कटे फटे ओंठ, (Cleft leaf) पलक एवं नाक और कान की बाह्य विकृती, चेहरे के दाग आदि का उपचार निशुल्क प्लॅस्टिक सर्जरी के द्वारा, अमेरिका के एक्सपर्ट डॉक्टर की टीम के माध्यम से कर रहा है। अब तक दो लाख पचास हजार से ज्यादा निशुल्क प्लॅस्टिक सर्जरी BJS द्वारा की गई है।

अल्पसंख्यक सम्बंधित जानकारी (Minority Cell)

२७ जनवरी २०१४ को भारत सरकार ने जैन समाज को राष्ट्रीय स्तर पर अल्पसंख्यक का दर्जा प्रदान किया। अब तक मुस्लिम, बौध्द, ख्रिश्चन, सिख एवं पारसी धर्मों को अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त था। भारत सरकार द्वारा अल्पसंख्यक समाज के उत्थान की अनेक योजनाओं के लिए प्रति वर्ष करोडों रूपये का प्रावधान बजट में किया जाता है। जैन समाज के विद्यार्थियों कि शिक्षा एवं छात्रवृत्ति कि विविध योजनाए, शैक्षणिक संस्थाओ कि स्थापना एवं प्रशासन की विविध योजनाएँ, युवतियाँ एवं महिलाओं के सक्षमीकरण की योजनाएँ, व्यवसाय के विकास की विभिन्न योजनाए, धर्मस्थान की सुरक्षा की विभिन्न योजनाए एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से समाज उत्थान की विविध योजनाए उपलब्ध है।

जैन समाज को अल्पसंख्यक दर्जा देने की मांग

कपिल सिब्बल और के. रहमान खान ने मांग पूरा करने का आश्वासन दिया

जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने दोनों केंद्रीय मंत्रियों से भेंट की

जैन शिक्षणसंस्थांना अल्पसंख्याक दर्जा देण्याची मागणी

खासदार विजय दर्डा यांच्या नेतृत्वाखाली सोनियाजींना शिष्टमंडळ भेटले

Jain community may now get minority status

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Government has agreed to move an official amendment to the Constitution to define minority, a step which could enable it designate the Jains as a minority community.

The Union cabinet has approved the proposal to introduce the Constitution 103rd Amendment Bill. The decision was taken at a cabinet meeting on Friday.

The proposed legislation comes in the backdr[illegible] Supreme Court di[illegible]ment to d[illegible]

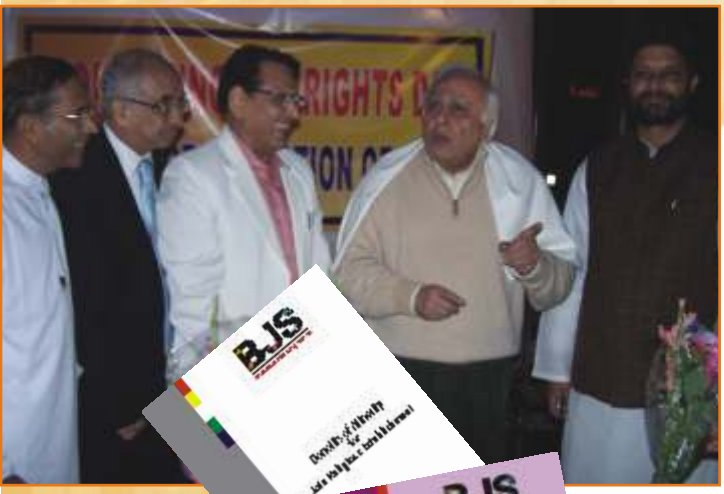

BJS द्वारा संकलनीत, निम्नलिखित पुस्तकों के माध्यम से अल्पसंख्यक योजनाओं व लाभ की जानकारी जैन समाज के सभी वर्गों को आसानी से उपलब्ध हो सकेगी।

१) अल्पसंख्यक योजनाओं का जैन विद्यार्थियों को लाभ
२) अल्पसंख्यक योजनाओं का जैन समाज की शिक्षण संस्थाओं को लाभ
३) अल्पसंख्यक योजनाओं का जैन समाज की धार्मिक संस्थाओं को लाभ
४) अल्पसंख्यक योजनाओं का जैन महिलाओं को लाभ
५) अल्पसंख्यक योजनाओं का जैन व्यवसायीयों को लाभ
६) अल्पसंख्यक योजनाओं का जैन सामाजिक संस्थाओं को लाभ

यह पुस्तके भारतीय जैन संघठन के मुख्य कार्यालय से प्राप्त कर सकते है अथवा www.bjsindia.org वेबसाइट से डाऊनलोड भी कर सकते है।

शैक्षणिक विकास

सामाजिक उत्थान के कार्य के साथ साथ, देश निर्माण का कार्य भी भारतीय जैन संघठन की प्राथमिकता रही है। देश निर्माण के कार्य में शैक्षणिक विकास की भूमिका सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। अत: भारतीय जैन संघठन ने इस विषय पर भी अपना लक्ष केंद्रित किया है।

देश में जैन समाज के विभिन्न संस्थाओं द्वारा २५०० शैक्षणिक संस्थाओं का निर्माण १००-१५० वर्ष पूर्व किया गया। इन शैक्षणिक संस्थाओं के माध्यम से, सभी जाती धर्म के जरूरतमंद विद्यार्थियों को शिक्षा, सेवा के रूप में प्रदान की जाती है। भारतीय जैन संघठन द्वारा सन २००२ में फेडरेशन ऑफ जैन एज्युकेशन इन्स्टिट्यूट (FJEI) की स्थापना की। जैन समाज की १७०० शैक्षणिक संस्थाएँ इस फेडरेशन का हिस्सा है। सभी संस्थाओं का अपना अस्तित्व कायम रखते हुए, इन संस्थाओं द्वारा मूल्यआधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षण विद्यार्थियों तक पहूँचाना ही भारतीय जैन संघठन की प्राथमिकता है। साथ ही साथ, यह मूल्यआधारित गुणवत्तापूर्ण शिक्षण, देश की १३,००,००० सरकारी एवं प्रायव्हेट स्कूलों में भी लागू करने का ध्येय है। इस बात को ध्यान में रखते हुए BJS ने निम्नलिखित कार्यक्रम तैयार कर देश के लिए उपलब्ध किये है।

स्कूल ॲसेसमेंट ॲन्ड ॲक्रेडिटेशन (School Assessment & Accreditation)

देश में कॉलेजों की गुणवत्ता का विकास करने की दृष्टिकोन से सरकार ने १९९४ में National Assessment & Accrediation Council (NAAC) का गठन किया। लेकिन ऐसी कोई योजना स्कूलों के लिए उपलब्ध नहीं है। BJS ने सन २००४ में स्कूलों के ॲसेसमेंट और ॲक्रेडिटेशन का कार्यक्रम तैयार कर देश की चार हजार से अधिक सरकारी एवं प्रायव्हेट स्कूलो में क्रियान्वित किया। यह कार्यक्रम उपचारात्मक पध्दति का कार्यक्रम है। निर्धारित संकेतको व मानको के आधार पर स्कूल की प्रक्रिया का मूल्यांकन करता है। सुधार के आवश्यक क्षेत्रों का पता लगाता है। स्कूल के मुख्याध्यापक एवं प्रबंध समिति को विशेष सुधार की क्रियाओं से अवगत कराता है। जिससे स्कूल की प्रक्रिया मे गुणात्मक सुधार लाया जा सकता है।

भारतीय जैन संघठन ने यह स्कूल ॲसेसमेंट ॲन्ड ॲक्रेडिटेशन कार्यक्रम विभिन्न राज्य सरकारों के लिए उपलब्ध किये है। जिसके माध्यम से उन राज्यों की सरकारी एवं प्रायव्हेट स्कूलों में गुणवत्ता विकास होने में सुविधा मिलेगी। भावी पिढी को मुल्यआधारित गुणवत्तायुक्त शिक्षण द्वारा तैयार कर सशक्त देश निर्माण के स्वप्न को पूर्ण करने का लक्ष है।

मूल्यवर्धन (Value Education Program)

संस्कृती प्रधान इस देश में मूल्यों का पतन हो रहा है। आपसी भाईचारा, एक दुसरे के प्रति सौहार्द, सहिष्णुता, प्रामाणिकता आदि गुण कम होते जा रहे है। तथा इनकी जगह दुर्व्यसन, संवेदनहिनता, हिंसा आदि ने स्थान ले लिया है। भावी पिढी को गुणवत्ता आधारित शिक्षण के साथ साथ मूल्यआधारित शिक्षण भी देना आज की प्राथमिकता हो गई है। भारतीय जैन संघठन ने इस बात को ध्यान में रखकर सन २००९ में 'मूल्यवर्धन' नामक पाठ्यक्रम तैयार कर महाराष्ट्र के बीड जिले मे सरकार की सहमती से ५०० स्कूल के ३५,००० बच्चों पर प्रयोगात्मक कार्य शुरू किया है। मूल्यवर्धन कार्यक्रम का विद्यार्थियों पर, उनके परिवारों पर, आसपास के क्षेत्र पर क्या परिणाम हो रहा है, यह जानने के लिए NCERT, Cambridge University (UK), Oregon University (USA) जैसी राष्ट्रीय एवं आतंरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा Impact Assessment कराया गया, तथा इसके परिणाम उत्साहवर्धक है। विद्यार्थी केंद्रित यह पाठ्यक्रम देश की सभी स्कूलों के लिए आज उपलब्ध है।

शैक्षणिक क्रांति करने की क्षमता जैन समाज में है। १३,००,००० स्कूलों में शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थी देश का भविष्य है। इन्हीं स्कूलो के माध्यम से गुणवत्तायुक्त मूल्य आधारित शिक्षण इन विद्यार्थियों तक पहूँचाना ही भारतीय जैन संघठन का उद्देश है।

सन २००५ में विश्व की सभी सामाजिक संस्थाओं के संघठन (World Association of Non Governmental Organization - WANGO) ने भारतीय जैन संघठन को शिक्षा के क्षेत्र में विश्व की सर्वोच्च स्वयंसेवी संस्था के रूप में सम्मानित किया।

आदिवासी समाज विकास कार्यक्रम (Tribal Project)

BJS द्वारा सन १९९७ से महाराष्ट्र के मेलघाट एवं ठाणे से हर वर्ष आदिवासी समाज के ५० बच्चों को निशुल्क शिक्षा हेतु पुना के BJS स्कूल में प्रवेश देते है। इन विद्यार्थीओं को ५ वी कक्षा से १२ वी कक्षा तक पढाई, लिखाई, उनको लगने वाले पुस्तके व साहित्य, कपडे लत्ते, खाना-पिना तथा होस्टेल में रहने कि निशुल्क सुविधा BJS द्वारा की जाती है। स्कूल की पढाई के अलावा इन विद्यार्थीयों को व्यक्तीत्व विकास, जरूरत मंद विद्यार्थीयों को ट्यूशन्स आदि दिया जाता है। बारहवी कक्षा के पश्चात इन विद्यार्थीयों को प्रोफेशनल कोर्स में ॲडमिशन हो सके इस बात को ध्यान में रखकर इन आदिवासी विद्याथीयों को तैयार किया जाता है। उद्देश यह है, की प्रोफेशनल बनने के बाद यह बच्चे अपने समाज की मदद कर आदिवासी समाज को देश की मुख्य धारा में लाने का कार्य करेंगे। पिछले २ दशक में इसके बेहतर परिणाम देखने को मिले है।

आपदा प्रबंधन

जैन समाज संवेदनशील समाज है। जब भी देश में कोई नैसर्गिक आपदा आती है, तो जरूरतमंद देशवासियों को मदद करना यह जैन समाज की प्राथमिकता रही है। पिछले दो दशक से भारतीय जैन संघठन ने देश में आये हुए सभी प्रमुख नैसर्गिक आपदा में निम्नलिखित रूप से अपना योगदान दिया है।

१९९३ लातूर भूकम्प: १२०० बच्चो का कक्षा ५वी से स्नातक स्तर तक शैक्षणिक पूर्नवसन

१९९७ मेलघाट कुपोषण: ३५० बच्चों का १० वर्षों तक निरंतर शैक्षणिक पूर्नवसन

१९९७ जबलपूर भूकम्प: ५० छात्रों का शैक्षणिक पूर्नवसन

२००१ गुजरात भूकम्प: मात्र ९० दिनों में ३६८ शालाओं का पुर्ननिर्माण कर प्रशासन को हस्तांतरण

२००२ अकोला बाढ: १५,००० बाढ पीडितो के लिए अस्थाई आवास निर्माण करना

२००४ त्सुनामी: अंदमान निकोबार द्वीप समूह में १ वर्ष में ११ स्कूलो एवं ३४ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण कर प्रशासन को हस्तांतरण

२००५ जम्मू और कश्मीर भूकम्प: मात्र ४० दिनों में ८७० मकान का सामान उपलब्ध कर १५,००० पीडितो को आवास प्रदान करना

२००५-२००६ महाराष्ट्र बाढ: ५००० बाढ पीडितों को घरेलू आवश्यक उपयोगी सामग्री का वितरण

२००८ बिहार बाढ: १,५०,००० बाढ पीडितों को १८१ दिन निरंतर चिकित्सा सुविधा प्रदान करना

२०१३ महाराष्ट्र अकाल: महाराष्ट्र के बीड जिले में ११५ सुखा प्रभावित तालाबों का सफाई कार्य (Desilting) मात्र १ माह मे किया, २० लाख लिटर पानी की क्षमता इन तालाबो में बढ गई। तथा Silt के माध्यम से पांच हजार एकड़ बंजर भूमी को उपजाऊ बनाने का कार्य किया।

७ सुखा प्रभावित जिलों में १०,००० पशुओं के लिए २८ पशू शिबिरों की स्थापना कर प्रबंधन का कार्य किया।

सन १९९३ से अबतक BJS ने आपदा प्रबंधन के कार्योंकी सराहना महाराष्ट्र विधान सभा से लेकर भारत की लोकसभा में की गई। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) व आयआयएम रायपुर ने ३ दिसंबर २०१३ को आपदा प्रबंधन क्षेत्र में उच्चतम काम करनेवाले ९ संस्थाओं को गौरवान्वित किया उसमें ८ सरकारी संस्थाएँ थी व BJS ही एकमात्र स्वयंसेवी संस्था को यह पुरस्कार प्राप्त हुआ।

BJS Bharatiya Jain Sanghatan
भारतीय जैन संघठन
मुथ्था टॉवर्स, डॉन बॉस्को मार्ग, येरवडा, पुणे - 411 006
दुरभाष : 020 - 4120 0600
ई-मेल : info@bjsindia.org
वेबसाईट : WWW.bjsindia.org
फेसबुक . WWW.facebook.com/bjsindia

22.03.2014/10000